नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

हिंदी व्याकरण

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
सर्वनाम
विलोम शब्द
विशेषण संज्ञा
भाषा और व्याकरण
कहानी-लेखन
वाक्य
वर्ण और वर्णमाला
लिंग
स्वरों की मात्राएँ
शुद्ध रूप
क्रिया
पर्यायवाची शब्द
वचन
निबंध-लेखन
शब्द-विचार

भाग 2

लेखिका :
रूपल गर्ग

हिंदी व्याकरण

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

इस पुस्तक की विषयवस्तु, चित्र आदि प्रकाशन की संपत्ति हैं। इनका सर्वाधिकार सुरक्षित है। प्रकाशक की अनुमति के बिना पुस्तक के किसी भी भाग का पूर्णत: या अंशत: प्रकाशन, छायाप्रति, अनुवाद या किसी अन्य विधि से इसका उपयोग करना वर्जित है।

सर्वोदक गण :

आशीष गुप्ता

लेसर टाईप सेटिंग :

एम॰ ग्राफिक्स
(9760971010)

हिंदी व्याकरण

प्राक्कथन.....

मानव-मुख से निकली सार्थक वाणी को 'भाषा' कहते हैं। भाषा से ही मानव अपने विचारों का आदान-प्रदान करता है। किसी भाषा के अध्ययन-अध्यापन के लिए उस भाषा के व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक है। वास्तव में व्याकरण का यह ज्ञान ही भाषा का उचित प्रयोग करना सिखाता है। जिस प्रकार गुरु ज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है उसी प्रकार व्याकरण के ज्ञान के बिना शुद्ध और मानक भाषा का ज्ञान भी अधूरा है।

'हिंदी व्याकरण' पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकें व्याकरण को उसकी जटिलताओं से मुक्त कराकर बालक को भाषा के शुद्ध एवं मानक रूप का ज्ञान कराने में अध्यापकों के लिए निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होंगी।

पुस्तकमाला के प्रमुख आकर्षण :

- विषय के केन्द्र में छात्रों की बौद्धिक क्षमता और उसके संतुलन को विचारपूर्ण दृष्टि से रखा गया है।
- भाषा, व्याकरण, वर्णमाला, शब्द रूपों से संबंधित विषयों को व्यावहारिक उदाहरणों व लक्षणों सहित संबंधित चित्रों के साथ समझाया गया है।
- प्रत्येक पुस्तक में अभ्यासों की योजना इस प्रकार से की गई है कि विद्यार्थियों के अर्जित ज्ञान को परखा जा सके।
- वर्णों के ज्ञान तथा उनके शुद्ध उच्चारण, शब्दों की शुद्ध वर्तनी तथा शुद्ध वाक्यों की रचना पर विशेष बल दिया गया है।
- भाषा-रचना पर भी कक्षा-स्तर के अनुरूप विशेष सामग्री नमूने के रूप में उपलब्ध की गई है। इसके अंतर्गत पत्र, अनुच्छेद, निबंध, कहानी आदि के लिखने के ढंग एवं अपठित गद्यांश देकर छात्रों में मौखिक तथा लिखित दोनों रूप से अभिव्यक्ति की सृजनात्मक शक्ति के विकास का प्रयास किया गया है।

आशा है यह पुस्तक श्रृंखला विद्यार्थियों के लिए रुचिकर और उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए सहायक शिक्षक बंधु एवं विद्वान मित्रों के सुझावों का सहर्ष स्वागत किया जाएगा।

–प्रकाशक

विषय-सूची

1.	भाषा एवं व्याकरण	5
2.	वर्ण-विचार	8
3.	शब्द-विचार	13
4.	वाक्य-विचार	17
5.	संज्ञा	21
6.	लिंग	25
7.	वचन	30
8.	सर्वनाम	34
9.	विशेषण	38
10.	क्रिया	41
11.	काल	46
12.	शब्दों के शुद्ध रूप	50
13.	बातचीत	51
14.	पर्यायवाची शब्द	53
15.	विलोम शब्द	55
16.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	56
17.	मुहावरे	57
18.	पत्र-लेखन	59
19.	निबंध-लेखन	61
20.	कहानी-लेखन	63
21.	दिन, महीने और त्योहार	64

1

भाषा एवं व्याकरण
(Language and Grammar)

भाषा (Language)

'भाषा' शब्द 'भाष्' धातु से बना है, जिसका अर्थ है–बोलना। भाषा के द्वारा मनुष्य अपने विचारों को दूसरे पर प्रकट कर सकता है और दूसरे के विचार जान सकता है।

भाषा मनुष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। अपने मन के अंदर तरह-तरह के भावों के उठने पर मनुष्य भाषा के माध्यम से अपने मन की बात को कहकर अपना मन हल्का करता है।

परिभाषा–भाषा वह साधन है जिसके द्‌वारा हम अपने मन के भाव बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं।

भाषा के दो रूप होते हैं–

1. मौखिक भाषा (Oral Language)
2. लिखित भाषा (Written Language)

याद रखिए

सांकेतिक भाषा भी भाषा का ही एक रूप है। परंतु यह अपने-आप में पूर्ण नहीं है। कभी-कभी हम इशारों या संकेतों को ठीक ढंग से नहीं समझ पाते। अतः यह भाषा का अधिक उपर्युक्त रूप नहीं है।

1. मौखिक भाषा (Oral Language) : मौखिक भाषा का अर्थ है–बोलकर अपनी बात या भाव प्रकट करना; जैसे–भाषण देना, गाना गाना, पढ़ाना आदि मौखिक भाषा के रूप हैं।

2. लिखित भाषा (Written Language) : लिखित भाषा का अर्थ है–लिखकर अपनी बात या भाव प्रकट करना; जैसे–पत्र लिखना, कहानी व कविता लिखना, संवाद लिखना आदि भाषा के लिखित रूप हैं।

भारत की भाषाएँ (Languages of India)

संसार में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं; जैसे–अंग्रेज़ी, हिंदी, फ्रेंच, लैटिन, जर्मन आदि। भारत अपने अंदर अनेकता में एकता के गुण को समाए हुए है। इसलिए यहाँ अनेक जाति, धर्म व संप्रदाय के लोग अपने-अपने धर्म व संस्कृति के अनुसार अपनी-अपनी भाषा बोलते हैं।

जैसे–हिंदी, असमी, बांग्ला, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मराठी, मलयालम, तेलुगू, मणिपुरी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, उर्दू आदि।

हमारे संविधान में 22 भाषाओं को स्थान दिया गया है तथा हिंदी को राजभाषा का सम्मान दिया गया है।

याद रखिए

वह भाषा जिसमें राजकाज के कार्य किए जाते हैं, 'राजभाषा' कहलाती है।

व्याकरण (Grammar)

भाषा को शुद्ध रखने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। इन्हीं नियमों की विद्या को 'व्याकरण' कहते हैं। हर भाषा का अपना-अपना व्याकरण होता है।

व्याकरण के तीन अंग होते हैं–

1. वर्ण-विचार (Phonology)
2. शब्द-विचार (Etymology)
3. वाक्य-विचार (Syntax)

व्याकरण के इन तीन अंगों द्वारा ही हम शुद्ध बोल व लिख सकते हैं।

हमने सीखा.....

- भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों को दूसरों को बताते हैं।
- भाषा के दो रूप होते हैं–1. मौखिक और 2. लिखित।
- भारत में कुल 22 भाषाओं को मान्यता मिली है तथा हिंदी को राजभाषा का सम्मान मिला है।
- भाषा को शुद्ध रखने के लिए प्रयुक्त किए गए नियमों की विद्या को 'व्याकरण' कहते हैं।

अभ्यास
EXERCISE

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) भाषा किसे कहते हैं?

____

____

(ख) भाषा के दो प्रचलित रूप कौन-कौन से हैं?

____

____

(ग) किन्हीं चार भाषाओं के नाम लिखिए जो भारत में बोली जाती हैं।

____

____

(घ) व्याकरण किसे कहते हैं?

____

____

2. चित्रों को देखकर बताइए कि ये भाषा का कौन-सा रूप हैं?

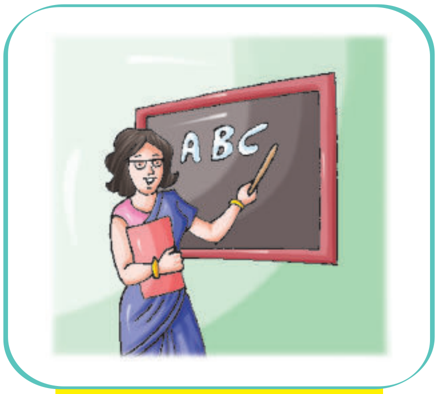

____

____

____

2 वर्ण-विचार
(Phonology)

जब हम बोलते हैं, तो हमारे मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं। उन्हें 'अक्षर' कहते हैं। उनके लिखित रूप को 'वर्ण' कहते हैं। लिखने में वर्णों को चिह्नों द्वारा प्रकट किया जाता है। इन चिह्नों की बनावट को 'लिपि' कहते हैं। हिंदी भाषा की लिपि का नाम 'देवनागरी लिपि' है।

समझिए–

क् + औ + आ	क् + अ + ल् + अ + म् + अ	म् + ओ + र् + अ
(3 ध्वनियाँ)	(6 ध्वनियाँ)	(4 ध्वनियाँ)

प्रत्येक शब्द के एक टुकड़े को 'ध्वनि' कहते हैं। यह ध्वनि ही 'वर्ण' कहलाती है।

परिभाषा–भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि, जिसके टुकड़े न किए जा सकें, 'वर्ण' या 'अक्षर' कहलाती है।

वर्णमाला (Alphabet)

क्रम में रखे गए वर्णों के समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं। हिंदी की वर्णमाला को दो भागों में बाँटा गया है।

वर्णमाला

- स्वर (Vowels)
- व्यंजन (Consonants)

स्वर (Vowels)

जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी ध्वनि की सहायता से हो, उन्हें 'स्वर' कहते हैं। इनके बोलने में दूसरे वर्णों की सहायता की आवश्यकता नहीं होती है। ये संख्या में 11 होते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

स्वर के दो भेद होते हैं–

(क) ह्रस्व स्वर : जिन स्वरों को बोलने में सबसे कम समय लगता है, उन्हें 'ह्रस्व स्वर' कहते हैं; जैसे–अ, इ, उ, ऋ।

(ख) दीर्घ स्वर : जिन स्वरों को बोलने में थोड़ा ज्यादा समय लगता है, उन्हें 'दीर्घ स्वर' कहते हैं; जैसे–आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

व्यंजन (Consonants)

जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता ली जाए, उन्हें 'व्यंजन' कहते हैं। मूल रूप से इनकी संख्या 33 है। इन्हें निम्नलिखित वर्गों में बाँटा गया है–

क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंतःस्थ	य	र	ल	व	
ऊष्म	श	ष	स	ह	

इनके अतिरिक्त और व्यंजन भी होते हैं–

(क) संयुक्त व्यंजन (Joint Consonants) : एक से अधिक व्यंजनों से मिलकर जब नए वर्ण का निर्माण होता है, तो वह 'संयुक्त व्यंजन' कहलाता है। इनकी संख्या 4 है– क्ष त्र ज्ञ श्र

संयुक्त व्यंजन	मेल	शब्द
क्ष	क् + ष	क्षत्रिय, क्षमा, क्षण
त्र	त् + र	त्रिशूल, पत्र, मित्र
ज्ञ	ज् + ञ	ज्ञानी, यज्ञ, ज्ञान
श्र	श् + र	श्रमिक, श्रम, श्रवण

(ख) अतिरिक्त वर्ण (Extra Letters) : हिंदी में दो अतिरिक्त वर्ण होते हैं–ड़ और ढ़। ये शब्द के प्रारंभ में कभी नहीं आते। ये सदैव बीच में या अंत में ही आते हैं; जैसे–सड़क, पढ़ना, चढ़ाई आदि।

(ग) अयोगवाह (Improper Words) : हिंदी में इनकी संख्या 3 है–

(i) अनुस्वार (ं) (ii) अनुनासिक (ँ)

(iii) विसर्ग (:)

अनुस्वार (ं)–अनुस्वार का चिह्न बिंदु के रूप में व्यंजन के ऊपर लगता है; जैसे–कं, बं, डं, शं आदि।

अनुनासिक (ँ)–अनुनासिक का चिह्न चंद्रबिंदु के रूप में व्यंजन के ऊपर लगता है; जैसे–मँ, हँ, चँ, कँ आदि।

विसर्ग (:)–विसर्ग का चिह्न दो बिंदुओं के रूप में व्यंजन के बाद लगता है; जैसे–टः, मः, यः, नः आदि।

याद रखिए

'अं' और 'अः' अक्षर स्वर के साथ रहते हैं परंतु ये स्वर नहीं हैं। अतः इन्हें अयोगवाह कहते हैं।

स्वरों की मात्राएँ (Signs of Vowels)

व्यंजन के साथ स्वर मात्रा के रूप में जुड़ते हैं।

स्वर	मात्राएँ	व्यंजन मात्रा के साथ	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + (अ) = क	कमल
आ	ा	क् + ा (आ) = का	काम
इ	ि	क् + ि (इ) = कि	किसान
ई	ी	क् + ी (ई) = की	कील
उ	ु	क् + ु (उ) = कु	कुम्हार
ऊ	ू	क् + ू (ऊ) = कू	कूप
ऋ	ृ	क् + ृ (ऋ) = कृ	कृपा
ए	े	क् + े (ए) = के	केला
ऐ	ै	क् + ै (ऐ) = कै	कैलाश
ओ	ो	क् + ो (ओ) = को	कोयल
औ	ौ	क् + ौ (औ) = कौ	कौआ

याद रखिए

र् में 'उ' तथा 'ऊ' का और श् में 'ऋ' का संयोग इस प्रकार से होता है–र् + उ = रु, र् + ऊ = रू, श् + ऋ = शृ।

हमने सीखा.....

- भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न किए जा सकें, 'वर्ण' या 'अक्षर' कहलाती है।
- क्रम में रखे गए वर्णों के समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं।
- जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी ध्वनि की सहायता से हो, उन्हें 'स्वर' कहते हैं।
- जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता ली जाए, उन्हें 'व्यंजन' कहते हैं।
- स्वर दो प्रकार के होते हैं–ह्रस्व व दीर्घ।
- व्यंजन के साथ स्वर मात्रा के रूप में जुड़ते हैं।

अभ्यास EXERCISE

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) हिंदी की वर्णमाला को कितने भागों में बाँटा गया है?

(i) दो ◯ (ii) तीन ◯ (iii) चार ◯

(ख) जिन वर्णों के उच्चारण में किसी की सहायता न ली जाए, उन्हें कहते हैं–

(i) व्यंजन ◯ (ii) स्वर ◯ (iii) अयोगवाह ◯

(ग) 'अं' और 'अः' हैं–

(i) संयुक्त व्यंजन ◯ (ii) अतिरिक्त वर्ण ◯ (iii) अयोगवाह ◯

(घ) 'ड़' और 'ढ़' हैं–

(i) संयुक्त व्यंजन ◯ (ii) अतिरिक्त वर्ण ◯ (iii) अयोगवाह ◯

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वर्ण की परिभाषा लिखिए।

____

____

(ख) वर्णमाला किसे कहते हैं?

____

____

(ग) वर्णमाला में कितने स्वर व कितने व्यंजन होते हैं?

____

____

(घ) अतिरिक्त वर्ण क्या होते हैं?

____

____

3. संयुक्त व्यंजनों से दो-दो शब्द लिखिए—

क्ष ______________ ______________

त्र ______________ ______________

ज्ञ ______________ ______________

श्र ______________ ______________

4. स्वरों और व्यंजनों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए—

ग	ब	ओ	थ
ख	ऊ	ए	ढ
ह	ई	स	अ
ऐ	श	इ	औ

स्वर : _____ _____ _____ _____
_____ _____ _____ _____

व्यंजन : _____ _____ _____ _____
_____ _____ _____ _____

5. अनुस्वार, अनुनासिक तथा विसर्ग के दो-दो शब्द लिखिए—

अं ______________ ______________

अँ ______________ ______________

अः ______________ ______________

6. चित्रों को देखकर वर्णों के साथ आवश्यक मात्राएँ लगाइए—

सब

कबतर

क यल

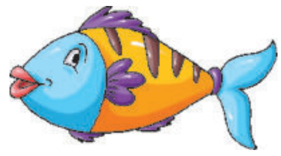

मछल

3 शब्द-विचार
(Etymology)

शब्द (Word)

दो या दो से अधिक वर्णों को मिलाकर 'शब्द' बनाया जाता है। प्रत्येक शब्द का एक निश्चित अर्थ होता है; जैसे–

क + म + ल	ि + क + त + ा + ब	घ + ो + ड़ + ा
कमल	किताब	घोड़ा

इस प्रकार शब्द वही होता है जिसका कोई अर्थ हो। सही शब्द लिखने के लिए वर्णों को उचित स्थान पर लिखा जाता है।

परिभाषा–सार्थक वर्ण समूह को 'शब्द' कहा जाता है।

शब्दों के प्रकार (Types of Words)

अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

1. सार्थक शब्द (Meaningful Words)
2. निरर्थक शब्द (Meaningless Words)

1. सार्थक शब्द (Meaningful Words) : वे शब्द जिनका कुछ अर्थ हो, 'सार्थक शब्द' कहलाते हैं; जैसे–बंदर, गंगा, पेड़, अदरक आदि।

2. निरर्थक शब्द (Meaningless Words) : वे शब्द जिनका कोई अर्थ न निकले, 'निरर्थक शब्द' कहलाते हैं; जैसे–काम–वाम, चाय–वाय, खाना–वाना आदि।

इनका प्रयोग सार्थक शब्दों के साथ ही किया जाता है।

शब्दों का प्रयोग (Uses of Words)

जब हम शब्दों को प्रयोग में लाते हैं, तो उनमें परिवर्तन आ जाता है।
यही परिवर्तन शब्दों को दो भागों में बाँटता है–

1. विकारी शब्द (Variable Words)
2. अविकारी शब्द (Invariable Words)

1. विकारी शब्द (Variable Words) : लिंग, वचन, काल व कारक के आधार पर जब शब्दों में परिवर्तन आता है, तो उन्हें 'विकारी शब्द' कहते हैं; जैसे–बच्चा, बच्चे, बच्चों आदि।

विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(क) **संज्ञा (Noun)**–किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं; जैसे–मनुष्य, कुम्हार, आम, अनार आदि।

(ख) **सर्वनाम (Pronoun)**–संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं; जैसे–यह, वह, मैं, आपको आदि।

(ग) **विशेषण (Adjective)**–संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं; जैसे–बुरा, अच्छा, सुंदर, पतली आदि।

(घ) **क्रिया (Verb)**–किसी कार्य के करने या होने का ज्ञान कराने वाले शब्द 'क्रिया' कहलाते हैं; जैसे–खाना, जाना, पीना, पढ़ना आदि।

2. अविकारी शब्द (Invariable Words) : जिन शब्दों पर लिंग, वचन, काल, कारक आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, उन्हें 'अविकारी शब्द' कहते हैं; जैसे–तेज, धीरे-धीरे आदि।

अविकारी शब्द भी चार प्रकार के होते हैं–

(क) **क्रिया-विशेषण (Adverb)**–क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'क्रिया-विशेषण' कहते हैं; जैसे–तेज, धीरे, अचानक आदि।

(ख) **समुच्चयबोधक (Conjunction)**–दो शब्दों या वाक्यों को एक-दूसरे से मिलाने वाले शब्दों को 'समुच्चयबोधक' कहते हैं; जैसे–तथा, और, एवं, परंतु आदि।

(ग) **संबंधबोधक (Preposition)**–वाक्य के शब्दों का आपस में संबंध बतलाने वाले शब्दों को 'संबंधबोधक' कहते हैं; जैसे–पास, तक, द्वारा आदि।

(घ) **विस्मयादिबोधक (Interjection)**–मन के दुःख, हर्ष, भय आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्द 'विस्मयादिबोधक' कहलाते हैं; जैसे–हाय!, अरे!, वाह! आदि।

हमने सीखा.....

- सार्थक वर्ण समूह को 'शब्द' कहते हैं।
- सही शब्द लिखने के लिए वर्णों को उचित स्थान पर लिखा जाता है।
- अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं—1. सार्थक शब्द, 2. निरर्थक शब्द।
- जब हम शब्दों को प्रयोग में लाते हैं, तो उनमें परिवर्तन आ जाता है।
- लिंग, वचन, काल व कारक के आधार पर जब शब्दों में परिवर्तन आता है, तो उन्हें 'विकारी शब्द' कहते हैं।
- जिन शब्दों पर लिंग, वचन, काल, कारक आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, उन्हें 'अविकारी शब्द' कहते हैं।

अभ्यास
Exercise

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) वे शब्द जिनका कोई अर्थ न निकले, ______________ शब्द कहलाते हैं।

(i) सार्थक ○ (ii) निरर्थक ○ (iii) विकारी ○

(ख) दो शब्दों या वाक्यों को एक-दूसरे से मिलाने वाले शब्दों को ______________ कहते हैं।

(i) समुच्चयबोधक ○ (ii) संबंधबोधक ○ (iii) विस्मयादिबोधक ○

(ग) विकारी शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

(i) दो ○ (ii) तीन ○ (iii) चार ○

(घ) मन के भावों को प्रकट करने वाले शब्द ______________ कहलाते हैं।

(i) समुच्चयबोधक ○ (ii) संबंधबोधक ○ (iii) विस्मयादिबोधक ○

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

____

(ख) प्रयोग के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

____

____

(ग) सार्थक व निरर्थक शब्दों में अंतर बताइए।

____

____

(घ) अविकारी व विकारी शब्दों में अंतर बताइए।

____

____

3. निम्नलिखित शब्दों में से सार्थक व निरर्थक शब्द छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए—

रोटी, साथ, चाय, वात,
गाना, वाना, नहाना, नाय,
खाट, वाट, रात, वाय,
छिपना, पपास, कपास, महिला

सार्थक शब्द	
निरर्थक शब्द	

4. निम्नलिखित में से संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्दों को छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए—

सीधा, भारी, अपना, मंदिर, विद्यालय, क्रोध, मोटा, लाल, गहरा, पाँच, तुम, उनका

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण

5. दिए गए शब्दों के वर्णों को अलग-अलग करके लिखिए—

(क) कछुआ _______________

(ख) किताब _______________

(ग) आकाश _______________

(घ) पुस्तक _______________

(ङ) राजा _______________

6. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए—

(क) अ + म् + अ + र् + ऊ + द् + अ = _______________

(ख) ऐ + न् + अ + क् + अ = _______________

(ग) ग् + उ + ल् + आ + ब् + अ = _______________

(घ) ब् + अ + ग् + ई + च् + आ = _______________

(ङ) व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ = _______________

4

वाक्य-विचार
(Syntax)

वाक्य (Sentence)

जिस प्रकार वर्णों के सही मेल से शब्द बनते हैं, ठीक उसी प्रकार शब्दों के सही मेल से वाक्य बनते हैं।

निम्न शब्दों के समूह को पढ़िए–

अजीत रहा पढ़ है।

ये सभी शब्द सही तो हैं पर हम इन्हें वाक्य नहीं कह सकते, क्योंकि इन शब्दों का क्रम सही नहीं है। अब इन्हीं शब्दों को सही क्रम में लगाकर पढ़िए–

अजीत पढ़ रहा है।

हम देखते हैं कि अब इन शब्दों के समूह से कोई अर्थ स्पष्ट हो रहा है। इसी को 'वाक्य' कहते हैं।

परिभाषा–शब्दों के सार्थक समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

प्रिया + लिख + रही + है।

प्रिया लिख रही है।

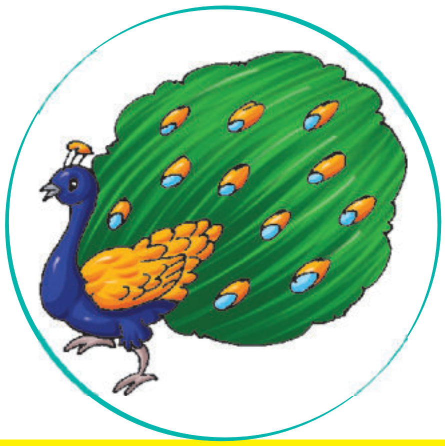

मोर + नाच + रहा + है।

मोर नाच रहा है।

वाक्य का निर्माण (Making of a Sentence)

वाक्य का निर्माण निम्नलिखित दो भागों से होता है–

1. उद्देश्य (Subject)
2. विधेय (Predicate)

1. उद्देश्य (Subject) : जिसके बारे में कुछ कहा जाए, वह 'उद्देश्य' होता है; जैसे–

शिवम खाना खा रहा है।

बच्चा सो रहा है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'शिवम' और 'बच्चे' के विषय में कुछ-न-कुछ कहा गया है। अतः 'शिवम' और 'बच्चा' इन वाक्यों के उद्देश्य हैं।

2. विधेय (Predicate) : उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे 'विधेय' कहते हैं। अर्थात् उद्देश्य को छोड़कर वाक्य का शेष भाग विधेय होता है; जैसे–

अनु नाच रही है।

यश गाना गा रहा है।

इन वाक्यों में 'नाच रही है' और 'गाना गा रहा है' विधेय हैं।

हमने सीखा.....

- शब्दों के उस समूह को जिसका कोई अर्थ हो, उसे 'वाक्य' कहते हैं।
- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे 'उद्देश्य' कहते हैं।
- उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे 'विधेय' कहते हैं।

अभ्यास

Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

____

(ख) कैसे शब्दों का समूह वाक्य नहीं कहलाता है?

____

____

(ग) वाक्य का निर्माण किन दो भागों से होता है?

____

____

2. नीचे लिखे वाक्यों के उद्देश्य तथा विधेय छाँटकर लिखिए—

	वाक्य	उद्देश्य	विधेय
(क)	चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।	______	______
(ख)	नमन बहुत शरारती है।	______	______
(ग)	कपिल कल दिल्ली गया था।	______	______
(घ)	कुत्ता एक वफादार जानवर है।	______	______
(ङ)	कविता मेरी अच्छी मित्र है।	______	______

3. निम्नलिखित शब्दों को उचित क्रम में लिखकर वाक्य बनाइए—

(क) है में ताजमहल आगरा ______________________________

(ख) हमें है दूध गाय देती ______________________________

(ग) जंगल शेर राजा का है ______________________________

(घ) खेल बच्चे हैं रहे ______________________________

(ङ) बहुत है हाथी मोटा ______________________________

4. **रिक्त स्थानों को उपर्युक्त विधेय लगाकर पूरा कीजिए—**

(क) आदिश ______________________ में खेल रहा है। *(घर/बाज़ार)*

(ख) पक्षी ______________________ रहे हैं। *(खेल/उड़)*

(ग) सूरज ______________________ रहा है। *(दमक/चमक)*

(घ) बच्चे ______________________ जा रहे हैं। *(विद्यालय/अस्पताल)*

(ङ) विभु ______________________ जा रहा है। *(जंगल/बाज़ार)*

5. **दिए गए चित्रों के आधार पर वाक्य बनाइए—**

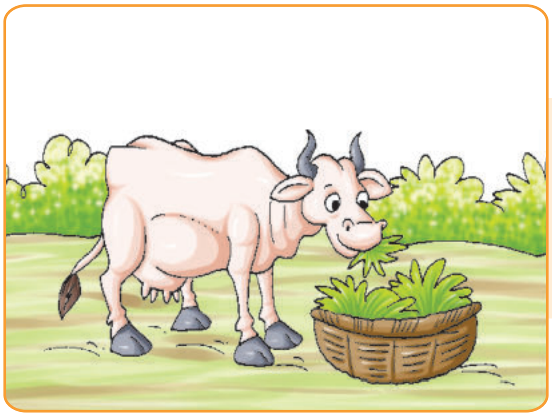

____

____

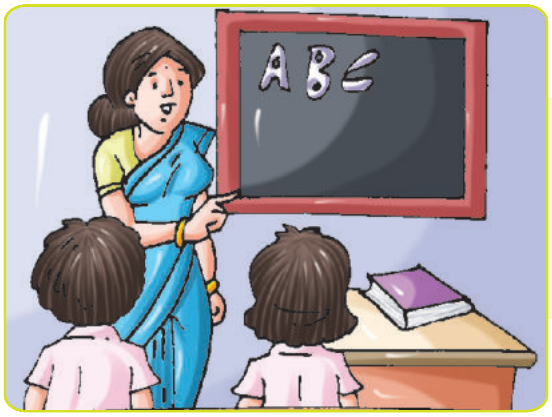

____

____

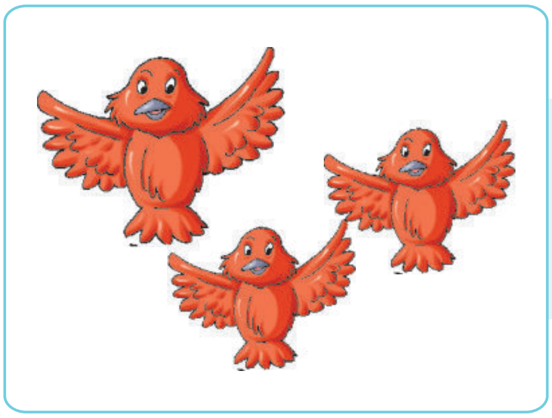

____

____

5 संज्ञा
(Noun)

परिभाषा–किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी और भाव का बोध कराने वाले शब्द 'संज्ञा' कहलाते हैं।

उदाहरण–

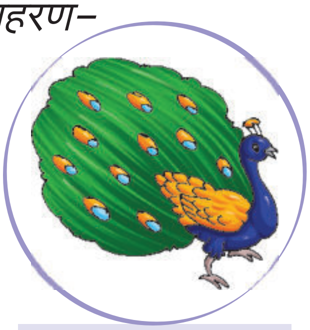
मोर

ताजमहल

लड़का

महात्मा गांधी

ये सभी संज्ञावाचक शब्द हैं।

कुछ अन्य उदाहरण

1. **व्यक्तियों के नाम**–नवीन, करण, जवाहरलाल नेहरू, मीराबाई, अकबर, कबीरदास आदि।
2. **स्थानों के नाम**–दिल्ली, आगरा, बनारस, मुंबई, लखनऊ, कानपुर, श्रीलंका, अमेरिका आदि।
3. **जातिबोधक नाम**–लड़की, माँ, पिता, घोड़ा, शेर, बंदर, गाय, बकरी आदि।
4. **वस्तुओं के नाम**–मेज, कुर्सी, रेडियो, टेलीविजन, कार, बस, स्कूटर, दरवाजा, पुस्तक, गिलास, थाली आदि।
5. **भावों के नाम**–बचपन, जवानी, बुढ़ापा, क्रोध, प्रेम, अच्छाई, बुराई, कठोरता आदि।

संज्ञा के भेद (Kinds of Noun)

मुख्य रूप से संज्ञा के तीन भेद माने गए हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)
2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)
3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun)

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) : जिन शब्दों के द्वारा किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान का बोध होता है, उन्हें 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–

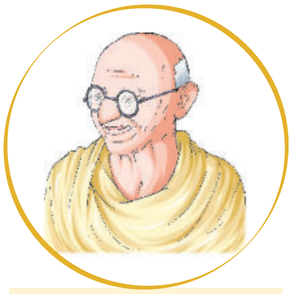
महात्मा गांधी

ताजमहल

इंडिया गेट

लाल किला

2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) : जिस शब्द के द्वारा किसी एक प्रकार के समूह की जाति का बोध होता है, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–

लड़का

घोड़ा

कुर्सी

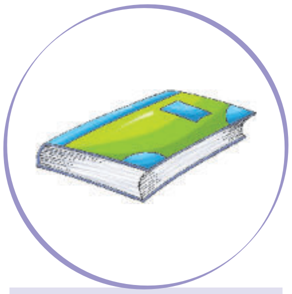
पुस्तक

पेड़

फूल

गाय

कार

3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) : जिस संज्ञा शब्द से किसी पदार्थ के गुण-दोष, अवस्था व भाव आदि का ज्ञान होता है, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–

बचपन

बुढ़ापा

मित्रता

कुछ अन्य उदाहरण–

दोष के नाम – बुराई, कठोरता, निर्दयता आदि।

भाव के नाम – क्रोध, प्रेम, लोभ आदि।

दशा के नाम – सुख, दुःख, लड़कपन, दरिद्रता आदि।

गुण के नाम – भलाई, अच्छाई, कोमलता, मिठास, नम्रता आदि।

हमने सीखा.....

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी और भाव का बोध कराने वाले शब्द 'संज्ञा' कहलाते हैं।
- मुख्य रूप से संज्ञा के तीन भेद होते हैं– 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा।

अभ्यास
Exercise

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) निम्न में से भाववाचक संज्ञा शब्द है–

(i) बचपन ◯ (ii) महात्मा गांधी ◯ (iii) फूल ◯

(ख) निम्न में से व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द है–

(i) लाल किला ◯ (ii) लड़का ◯ (iii) बुढ़ापा ◯

(ग) निम्न में से जातिवाचक संज्ञा शब्द है–

(i) ताजमहल ◯ (ii) मित्रता ◯ (iii) कार ◯

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) संज्ञा किसे कहते हैं?

(ख) संज्ञा के प्रत्येक भेद के दो-दो उदाहरण लिखिए।

(ग) संज्ञा के भेद लिखिए।

____

____

3. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर उन्हें उनके भेद सहित लिखिए—

(क) तुलसीदास जी एक प्रसिद्ध कवि थे।

____

(ख) शौर्य किताब पढ़ रहा है।

____

(ग) छात्रों ने लाल किला देखा।

____

(घ) राजीव और राहुल अच्छे विद्यार्थी हैं।

____

(ङ) महात्मा गांधी ने हमारे देश भारत को स्वतंत्र कराया था।

____

4. संज्ञा के भेद लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) मित्रता ______________ संज्ञा है।

(ख) ताजमहल ______________ संज्ञा है।

(ग) गाय ______________ संज्ञा है।

(घ) सिद्धि ______________ संज्ञा है।

(ङ) बालक ______________ संज्ञा है।

(च) नदी ______________ संज्ञा है।

(छ) नमन ______________ संज्ञा है।

(ज) कुर्सी ______________ संज्ञा है।

(झ) प्रसन्नता ______________ संज्ञा है।

(ञ) वाराणसी ______________ संज्ञा है।

6

लिंग
(Gender)

सभी जीवधारियों में दो जातियाँ होती हैं–स्त्री और पुरुष। स्त्री और पुरुष की इसी पहचान को 'लिंग' कहते हैं।

परिभाषा–जिन शब्दों के द्वारा वस्तु, स्थान एवं व्यक्ति के पुरुष अथवा स्त्री जाति के होने का बोध होता है, वे 'लिंग' कहलाते हैं।

उदाहरण–

आदमी

औरत

राजा

रानी

लड़का

लड़की

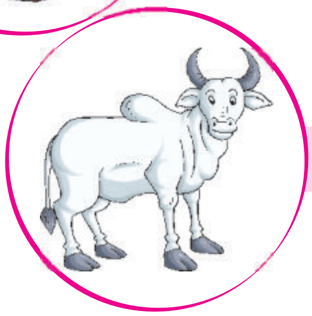
बैल

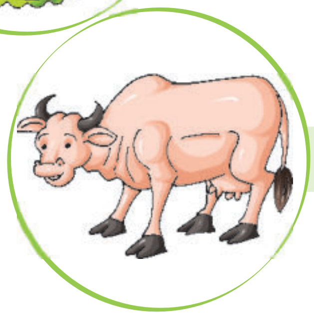
गाय

लिंग के भेद (Kinds of Gender)

लिंग के दो भेद होते हैं–

1. पुल्लिग (Masculine)
2. स्त्रीलिंग (Feminine)

1. पुल्लिंग (Masculine) : जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें 'पुल्लिग' कहते हैं; जैसे–शेर, हाथी, लड़का, अध्यापक, धोबी आदि।

याद रखिए
- सभी पर्वतों, देशों, दिनों, ग्रहों व महीनों के नाम पुल्लिग होते हैं।
- अक्षर भी पुल्लिग माने जाते हैं।

2. स्त्रीलिंग (Feminine) : जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें 'स्त्रीलिंग' कहते हैं; जैसे–शेरनी, हथिनी, लड़की, अध्यापिका, धोबिन आदि।

याद रखिए
- नदियों, भाषाओं व बोलियों तथा तिथियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।
- कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग माने जाते हैं; जैसे–बिजली, घड़ी, तलवार, मशीन, सभा, कक्षा, मोटर, लहर, हवा, चाय, नहर, चाबी, टोपी, इमली, मूली, झील, नाली, मछली, कोयल, चील, मक्खी, दीमक, गिलहरी आदि।

लिंग-परिवर्तन (Change of Gender)

लिंग-परिवर्तन अनेक प्रकार से हो सकता है; जैसे–

- 'इ' या 'ई' की मात्रा लगाकर
- 'आ' की मात्रा लगाकर
- 'इ' की मात्रा में 'न' जोड़कर
- 'इ' की मात्रा में 'या' जोड़कर

परंतु कुछ शब्दों के लिंग हमेशा भिन्न होते हैं।

नीचे लिंग के कुछ अन्य उदाहरण दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
युवक	युवती	कवि	कवयित्री
सेवक	सेविका	बूढ़ा	बुढ़िया
पिता	माता	माली	मालिन
ऊँट	ऊँटनी	नर	नारी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
गायक	गायिका
चूहा	चुहिया
बालक	बालिका
दादा	दादी
जनक	जननी
जाट	जाटिनी
ठाकुर	ठकुराइन
भाई	बहन
नायक	नायिका
लुहार	लुहारिन
बकरा	बकरी
पाठक	पाठिका
छात्र	छात्रा
पति	पत्नी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नौकर	नौकरानी
वर	वधू
लेखक	लेखिका
अध्यापक	अध्यापिका
स्वामी	स्वामिनी
अभिनेता	अभिनेत्री
मोर	मोरनी
चाचा	चाची
गुड्डा	गुड़िया
सुनार	सुनारिन
देवर	देवरानी
कुत्ता	कुतिया
विद्वान	विदुषी
दास	दासी

हमने सीखा.....

- जिन शब्दों के द्वारा वस्तु, स्थान एवं व्यक्ति के पुरुष अथवा स्त्री जाति के होने का बोध होता है, वे 'लिंग' कहलाते हैं।
- जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें 'पुल्लिंग' कहते हैं।
- जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें 'स्त्रीलिंग' कहते हैं।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) लिंग किसे कहते हैं?

____

____

(ख) पुल्लिंग किसे कहते हैं?

____

____

(ग) स्त्रीलिंग किसे कहते हैं?

____

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित लिंग भरिए—

(क) ________________ ने लाल लहँगा पहना है। *(दूल्हा/दुल्हन)*

(ख) ________________ गीत गा रही है। *(लड़का/लड़की)*

(ग) ________________ पेड़ की छाँव में बैठा है। *(बंदर/बंदरिया)*

(घ) ________________ रो रहा है। *(बच्चा/बच्ची)*

(ङ) ________________ घोंसले में रहती है। *(चिड़िया/चिड़ा)*

3. निम्नलिखित शब्दों में से पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए—

घोड़ा, घोड़ी, सेवक, सेविका, गायिका, गायक, चूहा, चुहिया, पत्नी, पति, अध्यापिका, अध्यापक, ठाकुर, ठकुराइन, छात्र, छात्रा, जाट, जाटिनी, भाई, बहन, लुहारिन, लुहार, वर, वधू

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग

4. निम्नलिखित के लिंग बदलकर लिखिए—

(क) कवयित्री ____________ (ख) नौकर ____________

(ग) पति ____________ (घ) बैल ____________

(ङ) दादा ____________ (च) बालिका ____________

(छ) हिरन ____________ (ज) मालिन ____________

(झ) ऊँट ____________ (ञ) माता ____________

5. निम्न चित्रों के नीचे स्त्रीलिंग या पुल्लिंग लिखिए—

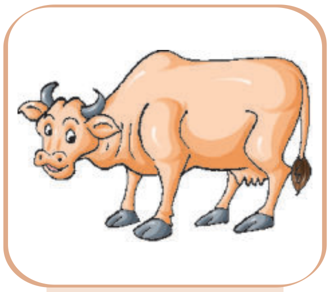

गाय

पिताजी

मोर

मुर्गी

शेर

अध्यापिका

हाथी

कुत्ता

हिरन

घोड़ा

माताजी

बिल्ली

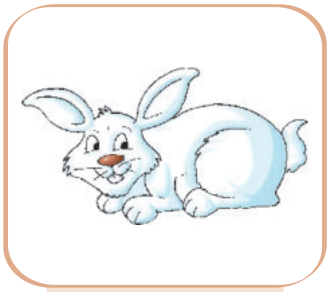

खरगोश

चिड़िया

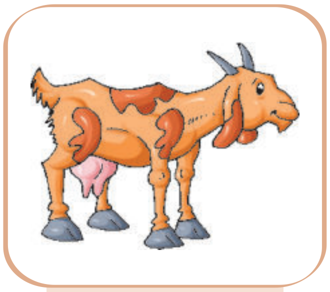

बकरी

तोता

7 वचन
(Number)

परिभाषा–जो शब्द एक अथवा एक से अधिक संख्या का ज्ञान कराते हैं, उन्हें 'वचन' कहते हैं।

उदाहरण–

वर्ग 'क'	वर्ग 'ख'
लड़की पढ़ रही है।	लड़कियाँ पढ़ रही हैं।
बच्चा विद्‌यालय जा रहा है।	बच्चे विद्‌यालय जा रहे हैं।
घोड़ा दौड़ रहा है।	घोड़े दौड़ रहे हैं।

ऊपर दिए 'क' वर्ग के वाक्यों में 'लड़की', 'बच्चा' और 'घोड़ा' शब्द एक संख्या का बोध कराते हैं। 'ख' वर्ग के वाक्यों में 'लड़कियाँ', 'बच्चे' और 'घोड़े' शब्द एक से अधिक संख्या का बोध कराते हैं।

वचन के भेद (Kinds of Number)

वचन दो प्रकार के होते हैं–

1. एकवचन (Singular)
2. बहुवचन (Plural)

1. एकवचन (Singular) : जिस संज्ञा शब्द से एक वस्तु या एक प्राणी का बोध होता है, उसे 'एकवचन' कहते हैं; जैसे–लड़का, तोता, बकरी, पुस्तक, कलम आदि।

2. बहुवचन (Plural) : जिस संज्ञा शब्द से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध होता है, उसे 'बहुवचन' कहते हैं; जैसे–लड़के, तोते, बकरियाँ, पुस्तकें, कलमें आदि।

याद रखिए

वचन के अनुसार वाक्य की क्रिया में भी परिवर्तन होता है; जैसे–

- लड़की जा रही है।
- लड़कियाँ जा रही हैं।

आदर या सम्मान प्रकट करने के लिए क्रिया का रूप बहुवचन में हो जाता है; जैसे–

- आप क्या कर रहे हैं?
- मेरी मम्मी खाना बना रही हैं।

एकवचन से बहुवचन बनाना (Making of Singular to Plural)

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
स्त्री	स्त्रियाँ	बूढ़ा	बूढ़े
नदी	नदियाँ	चूहा	चूहे
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ	घड़ी	घड़ियाँ
मछली	मछलियाँ	माला	मालाएँ
रात	रातें	पत्ता	पत्ते
छतरी	छतरियाँ	छात्रा	छात्राएँ
दवाई	दवाइयाँ	मूर्ति	मूर्तियाँ
मेज	मेजें	लड़की	लड़कियाँ
चिड़िया	चिड़ियाँ	गाय	गायें
लड़का	लड़के	बाला	बालाएँ
रोटी	रोटियाँ	गमला	गमले
कुर्सी	कुर्सियाँ	घोड़ा	घोड़े
पाठशाला	पाठशालाएँ	कविता	कविताएँ
मिठाई	मिठाइयाँ	आँख	आँखें

एकवचन	बहुवचन
लता	लताएँ
गेंद	गेंदें
पतंग	पतंगें

एकवचन	बहुवचन
सखी	सखियाँ
कमरा	कमरे
तितली	तितलियाँ

हमने सीखा.....

- जो शब्द एक अथवा एक से अधिक संख्या का ज्ञान कराते हैं, उन्हें 'वचन' कहते हैं।
- जिस शब्द से एक वस्तु या एक प्राणी का बोध होता है, उसे 'एकवचन' कहते हैं।
- जिस शब्द से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध होता है, उसे 'बहुवचन' कहते हैं।

अभ्यास
Exercise

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) निम्न में से बहुवचन शब्द है–

(i) लड़की ◯ (ii) बाला ◯ (iii) चिड़ियाँ ◯

(ख) निम्न में से एकवचन शब्द है–

(i) मुर्गे ◯ (ii) कुर्सी ◯ (iii) चूहे ◯

(ग) 'लता' का बहुवचन है–

(i) लतों ◯ (ii) लताएँ ◯ (iii) लतें ◯

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वचन किसे कहते हैं?

____

____

(ख) वचन के भेद बताइए।

____

____

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित वचन वाले शब्दों से कीजिए—

एकवचन	बहुवचन
कली	______
मूर्ति	______
______	मालाएँ
गेंद	______

एकवचन	बहुवचन
पत्ता	______
______	साड़ियाँ
बाला	______
______	गमले

4. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान भरिए—

(क) वृक्ष से ______ गिरा। *(पत्ता/पत्ते)*

(ख) महिलाएँ ______ पर बैठी हैं। *(कुर्सी/कुर्सियों)*

(ग) ______ बहती हैं। *(नदी/नदियाँ)*

(घ) गायें घास चर रही ______ । *(हैं/है)*

(ङ) ______ सो रहे हैं। *(बच्चा/बच्चे)*

5. निम्नलिखित को बहुवचन में बदलिए—

(क) फूल पर भौंरा मंडराता है।

फूलों पर भौंरे मंडराते हैं।

(ख) कोयल मीठी बोली बोलती है।

______

(ग) बिल्ली ने चूहा पकड़ा।

______

(घ) यह मेरी किताब है।

______

(ङ) कली खिल गई।

______

8

सर्वनाम
(Pronoun)

परिभाषा–संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं।

'सर्वनाम' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है–सर्व और नाम।

अतः 'सर्वनाम' शब्द का अर्थ है–सबका नाम। अर्थात् हम एक ही सर्वनाम शब्द का सबके लिए प्रयोग कर सकते हैं।

उदाहरण–

स्नेहा ने कहा,
"मैं रस्सी कूद रही हूँ।"

सोनू ने कहा,
"मैं विद्यालय जा रहा हूँ।"

रिया ने पूछा,
"कोमल, तुम कहाँ जा रही हो?"

माँ ने पूछा,
"बेटा, तुम क्यों सो रहे हो?"

उपरोक्त वाक्यों में सर्वनाम 'मैं' और 'तुम' का प्रयोग हुआ है। 'मैं' का प्रयोग 'स्नेहा' और 'सोनू' के लिए हुआ है। 'तुम' का प्रयोग 'रिया' और 'बेटा' के लिए हुआ है।

हिंदी के कुछ सर्वनाम शब्द इस प्रकार हैं–

वह, वे, यह, ये, तुम, मैं, उन्होंने, उसे, आप, मैंने, उसने, उसका, हम, मेरा, कौन, किसका आदि।

सर्वनाम शब्दों के भी एकवचन और बहुवचन होते हैं।

एकवचन	बहुवचन
मैं	हम
वह	वे

एकवचन	बहुवचन
तू	तुम
यह	ये

एकवचन	बहुवचन
उसे	उन्हें
इसको	इनको

एकवचन	बहुवचन
इसने	इन्होंने
किसी	किन्हीं

सर्वनाम के भेद (Kinds of Pronoun)

सर्वनाम कई प्रकार के होते हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun)
2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Definite Pronoun)
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun)
4. संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)

1. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun) : कहने वाला अपने लिए, सुनने वाले के लिए या जिससे बात कहे उसके नाम के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग करे, वे 'पुरुषवाचक सर्वनाम' होते हैं। जैसे–मैंने तुमसे कहा था कि वह भला आदमी नहीं है। यहाँ 'मैं' बात करने वाले के लिए, 'तुम' बात सुनने वाले के लिए तथा 'वह' जिसके बारे में बात की जा रही है, उसके लिए प्रयुक्त हैं।

इस प्रकार, पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद हुए–

(क) उत्तम पुरुष (First Person) : बात करने वाले को 'उत्तम पुरुष' कहते हैं; जैसे– मैं, हम आदि।

(ख) मध्यम पुरुष (Second Person) : सुनने वाले को 'मध्यम पुरुष' कहते हैं; जैसे–तू, तुम, तुम्हें आदि।

(ग) अन्य पुरुष (Third Person) : जिसके बारे में बात की जाती है, उसे 'अन्य पुरुष' कहते हैं; जैसे–वह, वे, उसने आदि।

उत्तम पुरुष		मध्यम पुरुष		अन्य पुरुष	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मैं	हम	तू	तुम	वह	वे
मुझको	हमको	तुमको	तुमको	उसको	उनको
मेरा, मेरे,	हमारा,	तेरा, तेरे,	तुम्हारा,	उसका	उनका
मेरी	हमारे,	तेरी	तुम्हारे,	उसकी	उनकी
	हमारी		तुम्हारी		

2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Definite Pronoun) : जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु का बोध होता है, उन्हें 'निश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–यही, वही, ये, वे आदि।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun) : जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु का बोध नहीं होता, उन्हें 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–कोई, कुछ, किन्हीं आदि।

4. संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun) : जो सर्वनाम शब्द दो व्यक्तियों या स्थानों में संबंध जोड़ते हैं, उन्हें 'संबंधवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–जो, सो, जैसा, वैसा आदि।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun) : जिन सर्वनाम शब्दों से प्रश्नों का ज्ञान होता है, उन्हें 'प्रश्नवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–कौन, क्या, किसका, किनका आदि।

हमने सीखा.....

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं।
- 'सर्वनाम' शब्द का अर्थ है–सबका नाम।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) सर्वनाम की परिभाषा लिखिए।

____

____

(ख) सर्वनाम कितने प्रकार के होते हैं?

____

____

(ग) हिंदी के कुछ सर्वनाम शब्द लिखिए।

____

____

2. खाली जगह पर उपर्युक्त सर्वनाम शब्द भरिए—

एक चिड़िया और बंदर दोस्त थे। __________ एक पेड़ पर रहते थे। एक दिन चिड़िया ने बंदर से कहा, ''भैया, __________ भी अपने लिए एक घर बना लो।'' बंदर को गुस्सा आ गया। __________ चिड़िया का घोंसला भी नीचे गिरा दिया।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए—

(क) कोई दरवाजा खटखटा रहा है। __________

(ख) माँ, मुझे पढ़ा दो। __________

(ग) हम कल आएँगे। __________

(घ) वह नाच रही है। __________

(ङ) तुम बहुत तेज दौड़ते हो। __________

(च) वह रो रहा है। __________

(छ) उसका नाम मनोज है। __________

(ज) आप क्या कर रहे हो? __________

(झ) यह पुस्तक मेरी है। __________

(ञ) वे खाना खा रहे हैं। __________

4. निम्नलिखित अनुच्छेद में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए—

कल हम मेले में गए थे। मेले में मैंने अपनी सहेली को देखा। वह अपने बच्चों को भी अपने साथ लाई थी। मेले में कोई झूले पर झूल रहा था, तो कोई खरीदारी कर रहा था। जहाँ सर्कस लगा था वहाँ हाथी बँधा था। मेरी माताजी भी साथ गईं थीं। वे अपने लिए और हमारे लिए सामान खरीद रही थीं।

____

____

____

____

____

____

____

9 विशेषण
(Adjective)

परिभाषा–संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

उदाहरण–

सफेद बैल

लाल गुलाब

मोटा लड़का

हरा तोता

ऊपर दिए गए चित्रों में, 'सफेद' शब्द बैल की, 'लाल' शब्द गुलाब की, 'मोटा' शब्द लड़के की और 'हरा' शब्द तोते की विशेषता बता रहे हैं। अतः 'सफेद', 'लाल', 'मोटा' और 'हरा' शब्द विशेषण हैं।

विशेष्य– विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताते हैं, उसे 'विशेष्य' कहते हैं। उपर्युक्त वाक्यों में बैल, 'गुलाब', 'लड़का' और 'तोता' विशेष्य हैं।

विशेषण के भेद (Kinds of Adjective)

विशेषण चार प्रकार के होते हैं–

1. गुणवाचक विशेषण (Adjective of Quality)
2. संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number)
3. परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity)
4. संकेतवाचक विशेषण (Demonstrative Adjective)

1. गुणवाचक विशेषण (Adjective of Quality) : जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण-दोष (भाव, समय, स्थान, रंग, आकार) आदि का बोध होता है, उन्हें 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–बुरा, अच्छा, पतला, मोटा, ऊँचा, गहरा आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number) : जिन विशेषण शब्दों से संख्या का बोध होता है, उन्हें 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–दो, तीन, चार, पाँच आदि।

3. परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity) : जिन विशेषण शब्दों से किसी चीज की नाप या तौल का बोध होता है, उन्हें 'परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–दो लीटर, पाँच मीटर आदि।

4. संकेतवाचक विशेषण (Demonstrative Adjective) : जो विशेषण शब्द किसी संज्ञा से पहले आकर उसकी ओर संकेत करते हैं, वे 'संकेतवाचक विशेषण' कहलाते हैं; जैसे–यह फूल, वह घर आदि।

हमने सीखा.....

- संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।
- विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताते हैं, उसे 'विशेष्य' कहते हैं।
- विशेषण चार प्रकार के होते हैं–1. गुणवाचक विशेषण, 2. संख्यावाचक विशेषण, 3. परिमाणवाचक विशेषण, 4. संकेतवाचक विशेषण।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

____

(ख) विशेषण के भेद लिखिए।

____

____

(ग) विशेष्य किसे कहते हैं?

____

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर लिखिए—

(क) दो किलो आटा ले आओ। ____________

(ख) कुतुब मीनार बहुत ऊँची है। ____________

(ग) गन्ना मीठा है। ____________

(घ) काला घोड़ा बहुत तेज दौड़ता है। ____________

(ङ) वह नटखट बालक है। ____________

(च) मेरे पास चार पुस्तकें हैं। ____________

3. विशेषण तथा विशेष्य शब्द अलग-अलग लिखिए—

	विशेषण	विशेष्य
लाल सेब	____________	____________
पीला कपड़ा	____________	____________
सीधा रास्ता	____________	____________
गरीब आदमी	____________	____________
मीठी चीनी	____________	____________
ऊँचा पेड़	____________	____________
शैतान बच्चे	____________	____________
सुंदर घर	____________	____________

4. निम्नलिखित विशेषणों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

	विशेषण	वाक्य
(क)	स्वस्थ	____________
(ख)	गहरा	____________
(ग)	सुंदर	____________
(घ)	मोटा	____________
(ङ)	शैतान	____________
(च)	लंबी	____________
(छ)	कमजोर	____________
(ज)	तीन	____________

10

क्रिया
(Verb)

परिभाषा–जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना प्रकट होता है, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।

निम्नलिखित चित्रों को देखिए और उनके नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए–

1. घोड़े दौड़ रहे हैं।

2. बच्चा पढ़ता है।

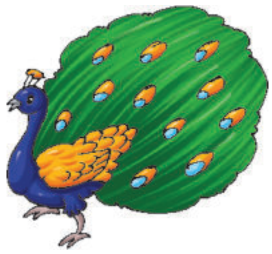

3. मोर नाच रहा है।

4. बच्चा सो रहा है।

प्रथम चित्र में घोड़े 'दौड़ रहे हैं'। इस चित्र में हमें दौड़ने का कार्य होने की जानकारी हो रही है। अतः वाक्य में 'दौड़ रहे हैं' क्रिया है। मूल क्रिया 'दौड़ना' है। 'दौड़ना' क्रिया से 'दौड़ते हैं', 'दौड़ रहे हैं,' 'दौड़ता है', 'दौड़े थे' आदि क्रियावाचक शब्द बनते हैं। अतः जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या करना प्रकट होता है, उन्हें 'क्रियावाचक' शब्द कहते हैं।

उपरोक्त चित्रों के नीचे दिए गए वाक्यों में क्रियावाचक शब्द तथा उनकी मूल क्रिया लिखिए।

वाक्य संख्या	क्रियावाचक शब्द	मूल क्रिया
1.	दौड़ रहे हैं	दौड़ना
2.		
3.		
4.		

क्रिया दो प्रकार से होती है–

1. जब काम किया जाता है; जैसे–

बच्चा खेल रहा है।

कुत्ता भौंक रहा है।

2. जब काम अपने आप होता है; जैसे–

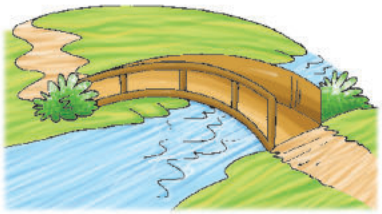

नदी बह रही है।

वर्षा हो रही है।

क्रिया के भेद (Kinds of Verb)

क्रिया के दो भेद हैं–

1. अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb)
2. सकर्मक क्रिया (Transitive Verb)

1. अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb) : जिन क्रियाओं के साथ कर्म नहीं होता, वे 'अकर्मक क्रियाएँ' कहलाती हैं; जैसे–बच्चा पढ़ रहा है। परंतु क्या पढ़ रहा है (कर्म), यह नहीं दिया गया है। अतः यहाँ क्रिया अकर्मक है।

याद रखिए

क्रिया के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता और न ही उसका कोई अर्थ निकलता है।

2. सकर्मक क्रिया (Transitive Verb) : जिन क्रियाओं के साथ कर्म होता है, वे 'सकर्मक क्रियाएँ' कहलाती हैं; जैसे–लड़की ने फूल तोड़ा। यहाँ बताया गया है कि लड़की ने क्या तोड़ा–अर्थात् फूल। अतः यहाँ क्रिया सकर्मक है।

हमने सीखा.....

- जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना प्रकट होता है, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।
- क्रिया के दो भेद हैं–

  1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया।

अभ्यास
EXERCISE

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) क्रिया की परिभाषा लिखिए।

____

____

(ख) क्रिया के कोई दो उदाहरण दीजिए।

____

____

(ग) क्रिया के भेद बताइए।

____

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए—

(क) लड़के शोर मचा रहे हैं। ______________

(ख) प्रिया ने पानी पिया। ______________

(ग) दर्जी कपड़े सिलता है। ______________

(घ) कपड़े सूख गए। ______________

(ङ) बच्चे किताब पढ़ रहे हैं। ______________

(च) शेर जंगल में रहता है। ______________

(छ) कीर्ति दूध पीती है। ______________

(ज) हवा तेज चल रही है। ______________

(झ) शुभम विद्यालय जाता है। ______________

(ञ) रिया रस्सी कूदती है। ______________

3. निम्नलिखित क्रियाओं का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

क्रिया		वाक्य
(क)	रोना	________________
(ख)	चढ़ना	________________
(ग)	तोड़ना	________________
(घ)	सोना	________________
(ङ)	तैरना	________________
(च)	खाना	________________
(छ)	पढ़ना	________________
(ज)	हँसना	________________
(झ)	गाना	________________
(ञ)	घूमना	________________

4. चित्र देखकर क्रिया शब्द लिखिए—

पीना

____

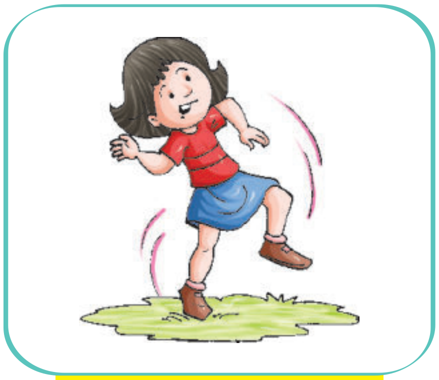

____

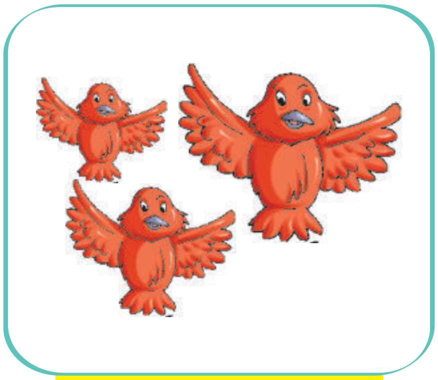

____

____

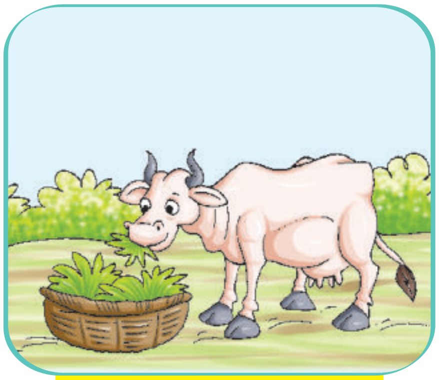

____

5. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर बताइए कि क्रिया अकर्मक है या सकर्मक—

(क) नितिन ने उससे लड़ाई की। ____________________

(ख) ट्रेन अभी आएगी। ____________________

(ग) नीरज चला गया। ____________________

(घ) बच्चे किताब पढ़ रहे हैं। ____________________

(ङ) सीधे-सीधे चलो। ____________________

6. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों को उचित क्रियाओं से मिलाइए—

	संज्ञा शब्द	क्रियाएँ
(क)	पिताजी	बात कर रही हैं।
(ख)	प्रिया	भौंक रहे हैं।
(ग)	लड़कियाँ	पढ़ा रहे हैं।
(घ)	कुत्ते	अखबार पढ़ रहे हैं।
(ङ)	अध्यापक	सो रहा है।
(च)	अनुज	पौधों में पानी दे रही है।

7. रिक्त स्थानों में उचित क्रिया भरिए—

(क) ऊँट ____________________ है। *(बलबलाता/रँभाता)*

(ख) बादल ____________________ हैं। *(कड़कते/गरजते)*

(ग) गाय ____________________ है। *(रेंकती/रँभाती)*

(घ) चिड़िया ____________________ है। *(चहचहाती/किलकिलाती)*

(ङ) कोयल ____________________ है। *(कूकती/गूँजती)*

(च) मेंढक ____________________ है। *(फुदकता/तैरता)*

(छ) शेर ____________________ है। *(भौंकता/दहाड़ता)*

(ज) मछली ____________________ है। *(रेंगती/तैरती)*

(झ) तोते ____________________ हैं। *(उड़ते/तैरते)*

(ञ) साँप ____________________ है। *(रेंगता/दौड़ता)*

11 काल
(Tense)

परिभाषा–क्रिया के जिस रूप से कार्य के करने या होने के समय का बोध होता है, उसे 'काल' कहते हैं।

उदाहरण–

1. रजत पुस्तक पढ़ता है।

2. बच्चा विद्यालय गया।

3. रेलगाड़ी अभी आएगी।

इन वाक्यों में देखिए–

1. 'पढ़ता है' क्रिया से वर्तमान समय का पता चलता है।
2. 'गया' क्रिया से बीते हुए समय का पता चलता है।
3. 'आएगी' क्रिया से आने वाले समय का पता चलता है।

काल के भेद (Kinds of Tense)

काल के तीन भेद होते हैं–

1. वर्तमान काल (Present Tense)
2. भूतकाल (Past Tense)
3. भविष्यत् काल (Future Tense)

1. वर्तमान काल (Present Tense) : जो क्रिया शब्द कार्य के अभी-अभी होने के समय का ज्ञान कराते हैं, वे 'वर्तमान काल' के कहे जाते हैं; जैसे–

(i) जतिन टी॰वी॰ देख रहा है।
(ii) मीनू विद्यालय जाती है।

'देखा रहा है' और 'जाती है' से कार्य के वर्तमान समय में होने का बोध हो रहा है। अतः ये वाक्य वर्तमान काल में हैं।

2. भूतकाल (Past Tense) : जो क्रिया शब्द कार्य के बीते हुए समय में होने का ज्ञान कराते हैं, वे 'भूतकाल' के कहे जाते है; जैसे–

(i) रात में कुत्ते भौंक रहे थे। (ii) वह रात में लौटा।

'भौंक रहे थे' और 'लौटा' से ज्ञात होता है कि कार्य बीते हुए समय में हुआ था। अतः ये वाक्य भूतकाल में हैं।

3. भविष्यत् काल (Future Tense) : जो क्रिया शब्द कार्य के आने वाले समय में होने का ज्ञान कराते हैं, वे 'भविष्यत् काल' के कहे जाते हैं; जैसे–

(i) वह कल आएगी।

(ii) हम कल बाज़ार जायेंगे।

'आएगी' और 'जायेंगे' से ज्ञात होता है कि कार्य आने वाले समय में होना है। अतः ये वाक्य भविष्यत् काल में हैं।

याद रखिए

- वर्तमान काल के वाक्यों के अंत में 'है', 'हैं', 'हूँ' शब्द आते हैं।
- भूतकाल के वाक्यों के अंत में 'था', 'थी', 'थे' शब्द आते हैं।
- भविष्यत् काल के वाक्यों के अंत में 'गा', 'गी', 'गे' शब्द आते हैं।

हमने सीखा.....

- क्रिया के जिस रूप से कार्य के करने या होने के समय का बोध होता है, उसे 'काल' कहते हैं।
- काल के तीन भेद होते हैं–1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यत् काल।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) काल को परिभाषित कीजिए।

____

____

(ख) काल कितने प्रकार के होते हैं?

____

____

(ग) वर्तमान काल किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

____

____

(घ) भूतकाल किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

____

____

(ङ) भविष्यत् काल किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

____

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया शब्दों के काल बताइए—

(क) माताजी ने खाना पका लिया। ____________

(ख) दादाजी रोज सैर पर जाते हैं। ____________

(ग) लड़के पार्क में खेल रहे हैं। ____________

(घ) कल दादीजी आएँगी। ____________

(ङ) मनु ने चाय पी। ____________

(च) मैं कल दिल्ली जाऊँगी। ____________

(छ) कल मैं विद्यालय जाऊँगी। ____________

3. निम्नलिखित क्रिया शब्दों का प्रयोग तीनों काल में कीजिए—

क्रिया शब्द	वर्तमान काल	भूतकाल	भविष्यत् काल
पढ़ना	पढ़ता है	पढ़ा	पढ़ेगा
जाना	____________	____________	____________
हँसना	____________	____________	____________
छिपना	____________	____________	____________
नाचना	____________	____________	____________
दौड़ना	____________	____________	____________
खेलना	____________	____________	____________
आना	____________	____________	____________
रोना	____________	____________	____________
पीना	____________	____________	____________

4. कोष्ठकों में दिए गए निर्देश के अनुसार काल को बदलकर वाक्य पुनः लिखिए—

(क) निशांत कल दिल्ली जाएगा। *(भूतकाल)*

(ख) तुम कल मुंबई जाओगे। *(भूतकाल)*

(ग) रीता ने दौड़ में भाग लिया। *(भविष्यत् काल)*

(घ) बढ़ई मेज बना रहा है। *(भविष्यत् काल)*

(ङ) दर्जी कपड़े सिल रहा है। *(भूतकाल)*

(च) भक्त भजन कर रहा है। *(भूतकाल)*

(छ) हम अपना कार्य स्वयं करते हैं। *(भविष्यत् काल)*

(ज) हम मंदिर गए थे। *(वर्तमान काल)*

(झ) हम विद्यालय जाते हैं। *(भविष्यत् काल)*

(ञ) मेघा पढ़ रही थी। *(वर्तमान काल)*

12

शब्दों के शुद्ध रूप
(Correct Forms of Words)

हिंदी भाषा के शुद्ध लेखन में उच्चारण का विशेष स्थान होता है। अतः शुद्ध उच्चारण की ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि हिंदी लेखन में अशुद्धियाँ न हों।

नीचे दिए गए शुद्ध व अशुद्ध शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

अशुद्ध	शुद्ध
अत्याधिक	अत्यधिक
निरास	निराश
वरस	वर्ष
वंदर	बंदर
रीती	रीति
गयान	ज्ञान
श्रीमति	श्रीमती
आधीन	अधीन
छमा	क्षमा
जीबित	जीवित
पुर्व	पूर्व
उध्यान	उद्यान
स्वास्थ	स्वास्थ्य
नमश्कार	नमस्कार
बलकि	बल्कि
आंख	आँख
अनुकुल	अनुकूल
हिन्दु	हिंदू
भगवान	भगवान्
रात्री	रात्रि
पत्नि	पत्नी

अशुद्ध	शुद्ध
पूज्यनीय	पूजनीय
द्रश्य	दृश्य
आर्शीवाद	आशीर्वाद
अहार	आहार
मुर्ति	मूर्ति
परणाम	प्रणाम
रूपया	रुपया
पुन्य	पुण्य
रिण	ऋण
रिशि	ऋषि
परिक्षा	परीक्षा
कृप्या	कृपया
प्रतीकूल	प्रतिकूल
अविष्कार	आविष्कार
पंक्ती	पंक्ति
उजज्वल	उज्ज्वल
यधपि	यद्यपि/यद्यपि
नैन	नयन
निरमाण	निर्माण
आग्या	आज्ञा
रोगि	रोगी

13

बातचीत
(Conversation)

दो बच्चे विद्यालय जाते हुए आपस में मिलते हैं, वे आपस में इस प्रकार बातचीत करते हैं–

रजत – हैलो! तुम्हारा, शुभ नाम।

प्रियांशु – मेरा नाम प्रियांशु है, और तुम्हारा?

रजत – मेरा नाम रजत है।

प्रियांशु – तुम कौन-सी कक्षा में पढ़ते हैं?

रजत – मैं दूसरी कक्षा में पढ़ता हूँ।

प्रियांशु – अरे वाह! मैं भी दूसरी कक्षा में ही पढ़ता हूँ।

रजत – क्या तुम मुझसे दोस्ती करोगे?

प्रियांशु – क्यों नहीं, यह तो मेरे लिए बहुत खुशी की बात है।

प्रिया और कपिल आपस में बातचीत करते हुए–

कपिल – प्रिया तुम उदास क्यों बैठी हो? आज खाना नहीं लाई हो क्या?

प्रिया – लाई हूँ, मगर मैं खाऊँगी नहीं।

कपिल – क्यों? क्या हुआ?

प्रिया – आज मम्मी ने पराँठा और आलू की सब्ज़ी दी है।

कपिल – मेरी मम्मी ने तो इडली दी है।

प्रिया – अच्छा! मैंने भी इडली के लिए ही कहा था।

कपिल – तो कोई बात नहीं, लो तुम इडली खा लो। मैं तुम्हारा पराँठा और आलू की सब्ज़ी खा लेता हूँ।

प्रिया – ठीक है, लो खाओ।

अभ्यास
Exercise

1. विधि और उसकी मम्मी की बातचीत पूरी कीजिए—

विधि – मम्मी, बहुत ________________ लगी है।

मम्मी – बेटी! तुम स्कूल-ड्रेस उतारो, हाथ-मुँह धो लो। मैं अभी ________________ के लिए कुछ लाती हूँ।

विधि – ________________ मम्मी।

मम्मी – तुम लंच भी लेकर गई थी, फिर इतनी जल्दी क्यों कर रही हो?

विधि – मम्मी, आजकल मुझे बहुत ________________ लगती है।

मम्मी – इसका मतलब है, तुम्हारे पेट में कीड़े हैं। तभी तुम्हें जल्दी भूख लगती है। चलो, आज शाम को डॉक्टर से ________________ लेते हैं।

विधि – ठीक है, मम्मी! लेकिन अभी कुछ ________________ दीजिए।

2. खिलौने वाले और मुस्कान के बीच क्या बातचीत हो रही है? सोचकर लिखिए—

खिलौने वाला – आया रे खिलौने वाला, ले के खिलौने आया रे। लो मेरे प्यारे बच्चो! हाथी, घोड़ा, कार, सीटी नहीं तो गुड़िया ही ले लो।

मुस्कान – ________________

खिलौने वाला – ________________

मुस्कान – ________________

खिलौने वाला – ________________

मुस्कान – ________________

खिलौने वाला – ________________

मुस्कान – ________________

14 पर्यायवाची शब्द
(Synonyms)

परिभाषा–किसी शब्द के समान अर्थ वाले शब्द को 'समानार्थक' अथवा 'पर्यायवाची' शब्द कहते हैं।

उदाहरण–

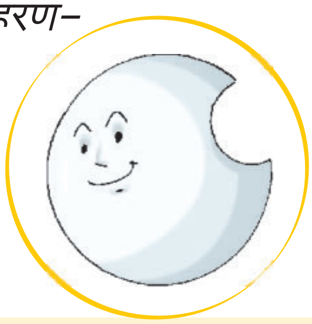

चंद्रमा–शशांक, मयंक, इंदु

कमल–पंकज, जलज, सरोज

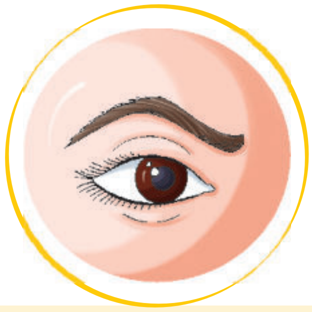

आँख–नयन, चक्षु, नेत्र

कुछ अन्य पर्यायवाची शब्द नीचे दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

पुस्तक	– किताब, पोथी, ग्रंथ	रात	– निशा, रजनी, रैन
दिन	– दिवस, वार, वासर	नदी	– सरि, सरिता, तटिनी
वृक्ष	– तरु, विटप, पेड़	समुद्र	– जलधि, सागर, वारिधि
आग	– अनल, पावक, अग्नि	गृह	– घर, निकेतन, आलय
सूरज	– सूर्य, रवि, भास्कर	घोड़ा	– अश्व, हय, तुरंग
फूल	– पुष्प, सुमन, कुसुम	बादल	– मेघ, घन, जलद
आकाश	– नभ, गगन, व्योम	जल	– पानी, अंबु, वारि
हवा	– वायु, पवन, अनिल	पहाड़	– नग, पर्वत, गिरि
पक्षी	– खग, विहग, नभचर	पृथ्वी	– वसुधा, भू, भूमि
बाग	– वाटिका, उद्यान, बगीचा	राजा	– नृप, नरेश, नरेंद्र
भगवान	– ईश्वर, प्रभु, जगदीश	स्त्री	– नारी, महिला, औरत
सर्प	– साँप, अहि, भुजंग	अध्यापक	– गुरु, आचार्य, शिक्षक
हाथी	– गज, हस्ती, कुंजर		

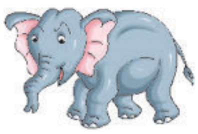

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

(क) अध्यापक ______ ______

(ख) नदी ______ ______

(ग) बादल ______ ______

(घ) फूल ______ ______

(ङ) पक्षी ______ ______

(च) नारी ______ ______

(छ) दिन ______ ______

(ज) राजा ______ ______

(झ) जल ______ ______

(ञ) सूरज ______ ______

2. नीचे दिए गए चित्रों के सामने उनके तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए—

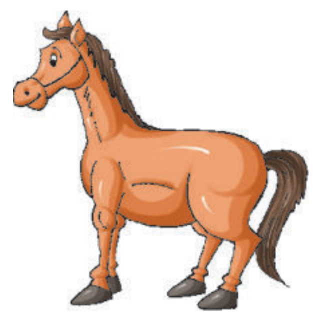

______
______
______

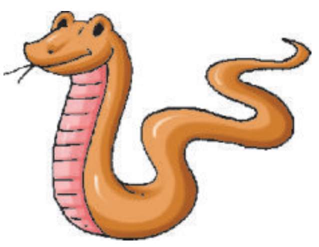

______
______
______

______
______
______

______
______
______

15 विलोम शब्द
(Antonyms)

परिभाषा–एक-दूसरे के विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' कहते हैं।

नीचे कुछ शब्द व उनके विलोम दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
उचित	अनुचित	दूर	पास	अमीर	गरीब
आगे	पीछे	सरल	कठिन	मोटा	पतला
सुबह	शाम	हल्का	भारी	मित्र	शत्रु
बड़ा	छोटा	ऊपर	नीचे	लंबा	छोटा
बहुत	थोड़ा	पुरुष	स्त्री	देश	विदेश
सुख	दुःख	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	मान	अपमान
खट्टा	मीठा	गुण	अवगुण	सच	झूठ
सस्ता	महँगा	सुर	असुर	सफल	असफल
अंधकार	प्रकाश	काला	सफेद	अमृत	विष
क्रय	विक्रय	शांत	अशांत	शीघ्र	देर
गुण	दोष	असली	नकली	जीवन	मरण
राजा	रंक	सभ्य	असभ्य	शुभ	अशुभ
अंदर	बाहर	एक	अनेक	सुगंध	दुर्गंध

अभ्यास
Exercise

सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) 'सफल' का विलोम है–

(i) मीठा ◯ (ii) असफल ◯ (iii) मरण ◯

(ख) 'उत्तीर्ण' का विलोम है–

(i) अपमान ◯ (ii) अवगुण ◯ (iii) अनुत्तीर्ण ◯

16

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(One Word Substitution)

परिभाषा–अनेक शब्दों में कही जाने वाली बात को एक शब्द में भी कहा जा सकता है। ऐसे शब्दों को 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहते हैं।

याद कीजिए–

जो मेहनत करता हो	–	मेहनती
जो पुस्तक लिखता है	–	लेखक
आकाश में रहने वाला	–	नभचर
जिसका कोई अंत न हो	–	अनंत
जिसके माता-पिता न हों	–	अनाथ
जिसका चरित्र अच्छा न हो	–	दुराचारी
जिसकी पत्नी मर गई हो	–	विधुर
जिसका चरित्र अच्छा हो	–	सदाचारी
जिसका आरंभ ज्ञात न हो	–	अनादि
ईश्वर को न मानने वाला	–	नास्तिक
छोटा भाई	–	अनुज
जिसका आकार हो	–	साकार
जमीन पर रहने वाला	–	थलचर
जिसे जीता न जा सके	–	अजेय
वन में घूमने वाला	–	वनचर

जो कभी बूढ़ा न हो	–	अजर
जो कभी न मरे	–	अमर
जो दिखाई न दे	–	अदृश्य
मंदिर में पूजा करने वाला	–	पुजारी
सब कुछ जानने वाला	–	सर्वज्ञ
जिसका पति मर गया हो	–	विधवा
सत्य बोलने वाला	–	सत्यवादी
जो कभी नष्ट न हो	–	अनश्वर
ईश्वर को मानने वाला	–	आस्तिक
जिसमें दया हो	–	दयालु
जल में रहने वाला	–	जलचर
बड़ा भाई	–	अग्रज
साथ पढ़ने वाला	–	सहपाठी
जो दूसरों का भला करे	–	परोपकारी
जिसका कोई आकार न हो	–	निराकार

अभ्यास
EXERCISE

एक शब्द लिखिए—

(क) सत्य बोलने वाला ______________

(ख) जिसका कोई अंत न हो ______________

(ग) जल में रहने वाला ______________

(घ) जिसके माता-पिता न हों ______________

(ङ) जिसे जीता न जा सके ______________

(च) जिसका आरंभ ज्ञात न हो ______________

17

मुहावरे
(Idioms)

मुहावरों का प्रयोग भाषा को प्रभावशाली व रोचक बनाने के लिए किया जाता है।

मुहावरे	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
1. ईंट का जवाब पत्थर से देना	अधिक प्रभावशाली जवाब देना	अपने मित्र की बुराई सुनकर तुषार ने ईंट का जवाब पत्थर से दिया।
2. ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद दिखना	हिमांशु, तुम तो आजकल ईद का चाँद हो गए हो।
3. ठगा-सा रह जाना	आश्चर्य करना	भिखारी की स्थिति देखकर मैं ठगा-सा रह गया।
4. आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना	वह सदैव किसी-न-किसी की आँखों में धूल झोंकता रहता है।
5. आँखों का तारा होना	अत्यंत प्रिय होना	शिप्रा अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।
6. आग-बबूला होना	बहुत क्रोध आना	राहुल को सामने देखकर वह एकदम आग-बबूला हो गया।
7. मुँह की खाना	हार जाना	देश के शत्रुओं को मुँह की खानी पड़ी।
8. अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि का काम न करना	समय विपरीत होने पर कई लोगों की अक्ल पर पत्थर पड़ जाते हैं।
9. अपना उल्लू सीधा करना	अपना काम बनाना	आजकल हर कोई अपना उल्लू सीधा करने में लगा हुआ है।
10. नाक में दम करना	बहुत तंग करना	इस बच्चे ने तो हमारी नाक में दम कर दिया है।
11. छक्के छुड़ाना	बुरी तरह हराना	हमारी टीम ने विपक्षी टीम के छक्के छुड़ा दिए।

मुहावरे	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
12. टेढ़ी खीर	कठिन कार्य	अपराधियों से टक्कर लेना सज्जन के लिए टेढ़ी खीर होता है।
13. मुँह में पानी भर आना	खाने को ललचाना	जलेबी देखकर मेरे मुँह में पानी भर आया।
14. घी के दीये जलाना	खुशी मनाना	श्रीराम के अयोध्या वापस लौटने पर सभी ने घी के दीये जलाए।
15. जी चुराना	काम न करना	आलसी लोग प्रायः कठिन काम करने से जी चुराते हैं।
16. अंग-अंग ढीला होना	बहुत थक जाना	आज सुबह से ही काम में जुटे रहने के कारण अंग-अंग ढीला हो रहा है।

अभ्यास
Exercise

निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए—

(क) आँखों का तारा होना

____

(ख) आँखों में धूल झोंकना

____

(ग) घी के दीये जलाना

____

(घ) जी चुराना

____

(ङ) ईद का चाँद होना

____

(च) नाक में दम करना

____

18

पत्र-लेखन
(Letter-Writing)

बीमारी की छुट्टी के लिए प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या को पत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
बी०ए०एस० पब्लिक स्कूल,
नोएडा।

माननीय महोदय,

निवेदन है कि मुझे कल रात से तेज बुखार है। डॉक्टर ने मुझे दो दिन तक घर पर आराम करने की सलाह दी है। अतः मैं दो दिन तक स्कूल नहीं आ सकूँगा।

अतः आपसे प्रार्थना है कि मुझे दिनांक ______ से दिनांक ______ तक का अवकाश देने की कृपा करें। आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
निशु शर्मा
कक्षा-2 'अ'

दिनांक : ______

मित्र को जन्मदिन पर बधाई का पत्र

बी-9, बी०ए०,
रोहिणी, नई दिल्ली।
दिनांक : ______

प्रिय रमन,

तुम्हारे जन्मदिन का निमंत्रण पत्र मिला। पत्र पढ़कर मन बहुत प्रसन्न हुआ। खेद है कि इस बार इस अवसर पर मैं तुम्हारे जन्मदिन में नहीं आ पाऊँगा, परंतु मेरी ओर से बहुत बधाई। यही कामना है कि यह दिन तुम्हारे जीवन में हर बार नई-नई खुशियाँ लेकर हजारों साल तक आता रहे।
मम्मी-पापा भी तुम्हें आशीर्वाद दे रहे हैं।
शुभकामनाओं के साथ,

तुम्हारा प्रिय मित्र,
वैभव

अभ्यास
Exercise

1. प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए—

2. अपने जन्मदिन के समारोह में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को निमंत्रण पत्र लिखिए—

19 निबंध-लेखन
(Essay-Writing)

परिभाषा–किसी दिए गए विषय के संबंध में अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप में लिखना 'निबंध' कहलाता है।

1. दीपावली (Deepawali)

दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। इसे 'प्रकाश का त्योहार' भी कहते हैं। यह प्रत्येक वर्ष अक्टूबर-नवंबर में मनाया जाता है। प्राचीन मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान् श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास बिताकर अयोध्या लौटे थे। इसी खुशी में अयोध्यावासियों ने पूरे नगर में घी के दीये जलाये, ढोल-नगाड़े बजाये तथा मिठाइयाँ बाँटकर एक-दूसरे के गले मिले।

इस दिन हम भी अपने घरों व दुकानों की साफ-सफाई करके उनमें दीये, मोमबत्तियाँ व झालर आदि जलाते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं, पटाखे जलाते हैं तथा रात में लक्ष्मी-गणेशजी का विधि-विधान से पूजन करते हैं।

2. हमारी कक्षा (Our Class)

मैं कक्षा-2 'अ' में पढ़ता हूँ। मेरी कक्षा का कमरा बहुत बड़ा है। यह विद्यालय की प्रथम मंजिल पर है। इसमें दो दरवाजे, चार खिड़कियाँ व दो रोशनदान हैं। इनके द्वारा कक्षा में हवा और रोशनी आती है। मेरी कक्षा में लगभग बीस-पच्चीस डैस्क हैं। दीवारों पर चार्ट, मानचित्र आदि टाँगे हुए हैं। अध्यापक के लिए एक कुर्सी और एक मेज रखी हुई है। कमरे की छत पर दो पंखे तथा रोशनी के लिए दो ट्यूबलाइट भी लगी हुई हैं। हम अपनी कक्षा को बहुत साफ-सुथरा रखते हैं।

3. मेरा देश (My Country)

भारत मेरा देश है। यह मुझे प्राणों से भी प्यारा है। यह मेरी माता है। इसके अन्न से मेरा पालन-पोषण होता है।

भारत एक बहुत बड़ा देश है। दक्षिण में हिंद महासागर है। पश्चिम में अरब सागर है। पूरब में बंगाल की खाड़ी है। उत्तर में बर्फ से ढका हुआ हिमालय इसका मुकुट है तो गंगा-यमुना नदियाँ इसके गले की मालाएँ हैं। हिमालय पर हरे-भरे पेड़ों के वन बड़े सुहावने लगते हैं।

मेरे देश का एक नाम और है–'हिंदुस्तान'। किसी कवि ने इसकी प्रशंसा में कहा है–

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।
हम बुलबुले हैं इसकी, ये गुलसितां हमारा।।

अभ्यास EXERCISE

अपने किसी एक प्रिय विषय पर निबंध लिखिए या निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी एक पर निबंध लिखिए—

मेरा देश, मेरा प्रिय मित्र, मेरा विद्यालय, स्वतंत्रता दिवस

20 कहानी-लेखन
(Story-Writing)

निम्नलिखित कहानियों को संकेतों के आधार पर पूरा कीजिए–

1. किसी ______ व्यापारी ______ था। उसके एक ______ था। अचानक ______ की पत्नी ______ देहांत ______ । उसने ______ देख-भाल ______ एक नेवला ______ लिया। एक ______ कार्यवश ______ गया। ______ सोया हुआ था। एक साँप ______ निकला। ______ बच्चे की ______ लगा, परंतु नेवला ______ झपट पड़ा और उसने ______ मार दिया। बच्चा सोया ______ । नेवला चुपचाप ______ पास बैठ गया। ______ लौटा। उसने नेवले के मुँह ______ लगा देखा। उसे ______ हुआ। उसने ______ को मार डाला, परंतु अंदर जाकर ______ को सोया हुआ और ______ मरा पड़ा देखा तो ______ बड़ा ______ ।

2. किसी नदी ______ एक सारस ______ था। एक लोमड़ी ______ पानी ______ आई। वह सारस ______ लंबी ______ का ______ बहुत मज़ाक ______ थी। उसने ______ सारस ______ निमंत्रण दिया। उसने ______ चौड़ी ______ रस ______ । लोमड़ी स्वयं ______ लपलप ______ के ______ गई, परंतु बेचारा ______ । दूसरे दिन ______ ने ______ को ______ उसने एक पतली ______ गर्दन ______ में रस ______ । सारस ने ______ डाल कर ______ पी ______ लिया, परंतु ______ रह गई। उसे ______ अपने पर बड़ा पश्चाताप हुआ।

21 दिन, महीने और त्योहार
(Days, Months and Festivals)

दिन (Days)

एक सप्ताह में 7 दिन होते हैं। हर दिन का क्रम निश्चित होता है, जो इस प्रकार है–

सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार
शुक्रवार	शनिवार	रविवार	

महीने (Months)

एक वर्ष में 12 महीने होते हैं, जो इस प्रकार हैं–

जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
मई	जून	जौलाई	अगस्त
सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर

त्योहार (Festivals)

हमारा देश, भारत त्योहारों का देश है। भारत में लगभग सभी महीनों में कोई-न-कोई त्योहार मनाया जाता है। यहाँ पर दो तरह के त्योहार मनाए जाते हैं– धार्मिक एवं राष्ट्रीय।

धार्मिक त्योहार (Religious Festivals)

1. होली
2. दीपावली
3. रक्षाबंधन
4. दशहरा
5. ईद
6. जन्माष्टमी
7. दुर्गा पूजा
8. क्रिसमस

राष्ट्रीय त्योहार (National Festivals)

1. स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)
2. गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)
3. गांधी जयंती (2 अक्टूबर)
4. शिक्षक दिवस (5 सितंबर)